पूसा में 3 दिवसीय कृषि विज्ञान मेले 2019 का शुभारम्भ

भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (पूसा संस्थान) में प्रति वर्ष होने वाले पूसा कृषि विज्ञान मेले का शुभारम्भ दिनांक 5 मार्च 2019 को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (भा. कृ. अ. प.) के महानिदेशक एवं डेयर के सचिव डॉ. त्रिलोचन महापात्र जी ने किया । इस अवसर पर श्री बी. प्रधान अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, डेयर एवं सचिव (भा. कृ. अ. प.), श्री सुशील कुमार अतिरिक्त सचिव (डेयर) एवं सचिव (भा. कृ. अ. प.), निदेशक डॉ. ऐ. के. सिंह, संयुक्त निदेशक (प्रसार) एवं निदेशक भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान), डॉ. अशोक के. सिंह भा. कृ. अ. प. के उप-महानिदेशक (उद्यानिकी), डॉ जॉयकृष्णा जेना उप-महानिदेशक (पशुपालन विज्ञान एवं मत्स्य विज्ञान), सहायक-महानिदेशक (समन्वय), डॉ. एस. पी. किमोथी ,डॉ. जे. पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार), डॉ. ऐ. के. सिंह, संयुक्त निदेशक (अनुसन्धान) सहित कई गणमान्य अधिकारी भी उपस्थित थे । उद्घाटन सत्र से पहले मुख्य अतिथि ने विभिन्न सार्वजनिक और निजी संस्थाओ द्वारा लगाये गए लगभग 250 स्टालों और प्रदर्शनी क्षेत्र का दौरा किया।

डॉ। त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर और महानिदेशक, आईसीएआर की अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति के साथ शुरू हुआ। उन्होंने औपचारिक उद्घाटन सत्र से पहले इस वर्ष मेले का मुख्य उद्देश्य कृषि में उन संभावनाओं का विस्तार करना है जिनसे किसान की आय को बढाया जा सके तथा नवोन्मेषी प्रोद्योगिकिया किसानों तक पहुंचाई जा सके । मेले के उद्घाटन समारोह में डॉ. महापात्र ने पूसा संस्थान को किसान की उन्नति हेतु किये जाने वाले अनुसन्धान कार्यों के लिए सराहा तथा किसानों से मेले का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया ।

समारोह में देश भर से आये कृषि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों एवं वैज्ञानिको को कृषि के क्षेत्र में सराहनीय काम करने के लिए भा. कृ. अ. प. के द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित लिया गया । पुरस्कारों की विभिन्न श्रेणियों में कुल 31 पुरस्कारों को वितरित किया गया, बड़े संस्थानों कि श्रेणी में सरदार पटेल उत्कृष्ट संस्थान पुरस्कार भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जोधपुर (राजस्थान) और भाकृअनुप -भारतीय दलहन अनुसन्धान संस्थान, कानपुर (उ. प्र.) द्वारा संयुक्त रूप से साझा किया गया। छोटे संस्थानों की श्रेणी में यह पुरस्कार भा.कृ.अनु.प. -भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर (उड़ीसा) को दिया गया । कृषि विश्वविद्यालय की श्रेणी में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना (पंजाब) को यह अवार्ड दिया गया। उत्तराखंड के श्री संदीप गोयल जी को एन. जी. रंगा. किसान पुरस्कार कृषि में विविधिकरण के लिए दिया गया। भारत के विभिन्न प्रान्तों से आये हुए 10 किसानो को उत्कृष्ट किसान "पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय कृषि पुरस्कार " और 12 किसानो को "जगजीवन राम अभिनव किसान पुरस्कार " से सम्मानित किया गया । नानाजी देशमुख आई. सी. ए. आर अवार्ड फसल और बागवानी विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि इंजीनियरिंग, पशु और मत्स्य विज्ञान, और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विभागों को दिया गया था।

मेले के दौरान संस्थान द्वारा विभिन्न प्रकाशन "**मेरा गाँव मेरा गौरव**- आईसीएआर का एक प्रमुख कार्यक्रम: स्थिति, प्रभाव और निहितार्थ; **कृषि पंचांग**: वार्षिक कृषि कार्य एवं कृषि की उन्नत तकनिकी, संस्थागत साझेदारी से वर्धित प्रौद्योगिकी आउटरीच और उत्पादन प्रणाली दक्षता के लिए को मजबूत करना: सहयोगात्मक विस्तार कार्यक्रम का अनुभव और नौ पत्रक पहले दिन जारी किए गए।

मेले के दौरान प्रतिदिन 3 किसान-वैज्ञानिक परिचर्चाओं व गोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। इन गोष्ठियों के दौरान किसान कृषि से सम्बंधित अपनी समस्यायों का समाधान जान सकेंगे तथा नई उन्नत किस्मों के बीज भी खरीद सकेंगे । देश भर से आये किसान अन्य किसानो के साथ संपर्क बना कर विभिन्न जानकारियां एवं अनुभव साझा करते हैं तथा कुछ किसान अपने उत्पादों की बिक्री भी करते हैं ।

मेले में समन्वित कृषि प्रणाली का 1 हेक्टेयर और 1 एकड़ का मॉडल, बारानी खेती से अधिक उत्पादन प्राप्त करने का मॉडल, सूक्ष्म सिंचाई, नीम कोटेड यूरिया, बदलते जलवायु परिवेश में कृषि की नव-प्रौद्योगिकी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कम लागत से बेहतर कृषि सम्बन्धी जानकारियाँ दी जा रही हैं । इनके अतिरिक्त सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी किसानों को मुहय्या कराई जा रही है । इस मेले का समापन 7 मार्च को किया जाएगा ।